बिहार में 12 फीसदी लोग ही भोजन से पहले धोते हैं हाथ

संवाददाता, पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) ने वैश्विक हाथ धुलाई दिवस के मौके पर यूनिसेफ बिहार के सहयोग से सभी के लिए हाथ स्वच्छता (एचएच4ए) एक्शन प्लानिंग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. सीआइएमपी के निदेशक प्रो राणा सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और बिहार राज्य में हाथ की स्वच्छता संबंधित प्रथाओं की जानकारी दी. यूनिसेफ के कार्यक्रम प्रबंधक प्रसन्ना ऐश ने कहा कि एनएसएसओ के आंकड़ों के अनुसार बिहार में 12 प्रतिशत लोग भोजन करने से पहले हाथ धोते हैं, 67 प्रतिशत लोग शौच के बाद हाथ धोते हैं. उन्होंने हाथ स्वच्छता प्रबंधन पर रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट की बात कही और कहा कि हाथ स्वच्छता प्रबंधन पर खर्च किये गये प्रत्येक एक डॉलर से सालाना 15 डॉलर की बचत होगी. आइएएस राहुल कुमार ने जीविका और लोहिया स्वच्छ भारत अभियान द्वारा बिहार में किये गये कार्यों का संक्षिप्त विवरण दिया. उन्होंने कहा कि कोविड महामारी ने सामान्य रूप से हाथ धोने के व्यवहार को बदल दिया है. बेहतर स्वच्छता प्रथाओं के कारण डायरिया के मामलों में 47 प्रतिशत की कमी हुई है. श्वसन संक्रमण में 23 प्रतिशत की कमी आयी है. इसके परिणामस्वरूप बाल-मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आयी है. कार्यक्रम में डॉ आलोक रंजन, आइसीडीएस विभाग के डॉ मनोज कुमार, मनीष, सौम्या, विष्णु कांत, सत्यजीत घोष के साथ अन्य वक्ताओं ने अपनी बात रखी.

Prabhat Khabar ! Page No - 07 ! Date - 20-10-2022

सीआईएमपी में 'हैंड हाइजीन फॉर ऑल एक्शन प्लानिंग' कार्यशाला आयोजित

हाथ धोने की आदत से डायरिया के मामलों में 47 प्रतिशत कमी आई

सिटी रिपोर्टर | पटना

जीविका के सीईओ राहुल कुमार ने कहा कि कोविड महामारी ने सामान्य रूप से हाथ धोने के व्यवहार को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद बेहतर स्वच्छता प्रथाओं के कारण डायरिया के मामलों में 47 प्रतिशत की कमी हुई है। श्वसन संक्रमण में 23 प्रतिशत की कमी आई है और इसके परिणामस्वरूप बाल-मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है। वे बुधवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) की ओर से हाथ धुलाई दिवस के उपलक्ष्य में यूनिसेफ बिहार के सहयोग से "सभी के लिए हाथ स्वच्छता (एचएच4ए) एक्शन प्लानिंग" पर एक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने 'सुमन' हाथ धोने के अभियान के बारे में भी बात की, जो सीधा, उल्टा, मुट्ठी, अंगूठा और नाखून का संक्षिप्त रूप है। साथ ही उन्होंने उनके नेतृत्व में पूर्णिया जिले में शुरू किये गए मासिक धर्म स्वच्छता पहल की बात की। आयुष्मान भारत के निदेशक संचालन डॉ. आलोक रंजन ने कहा कि 'कलाई के लिए 'क' जोड़कर इसे संशोधित किया। उन्होंने विभिन्न पहलों की निगरानी और मूल्यांकन के लिए एकीकृत ढांचे के बारे में बात की। ब्रेक के बाद अगले सत्र को प्रभाकर सिन्हा, वाश विशेषज्ञ, यूनिसेफ ने संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर हाथ धोने की स्वच्छता प्रथाओं की वर्तमान स्थिति और इसे प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में चर्चा की। प्रो. राणा सिंह ने स्वागत भाषण के दौरान कार्यशाला में भाग लेने के लिए सभी मेहमानों, वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। यूनिसेफ के कार्यक्रम प्रबंधक प्रसन्ना ऐश ने कहा कि एनएसएसओ के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में 12% लोग भोजन करने से पहले हाथ धोते हैं और 67% लोग शौच के बाद हाथ धोते हैं।

Danik Bhaskar ! Page No - 08 ! Date - 20-10-2022 !

सीआईएमपी में कार्यशाला

पटना (आससे)। बुधवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) ने वैश्विक हाथ धुलाई दिवस के उपलक्ष में यूनिसेफ बिहार के सहयोग से 'सभी के लिए हाथ स्वच्छता (एचएच4ए) एक्शन प्लानिंग' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य स्वास्थ्य, पोषण और हाथ की स्वच्छता को बढ़ावा देने और व्यवहार संबंधी चुनौतियों और उसके समाधान पर ध्यान केंद्रित करना था। इस अवसर पर डॉ. प्रभाकर सिन्हा (वॉश स्पेशलिस्ट, यूनिसेफ बीएफओ), प्रसन्ना ऐश (प्रोग्राम मैनेजर,ओआईसी, यूनिसेफ बिहार), राहुल कुमार (सीईओ जीविका और मिशन डायरेक्टर एलएसबीए, आईएएस), डॉ. राणा सिंह, निदेशक सीआईएमपी मंच पर मौजूद थे। कार्यशाला में विभिन्न हितधारक और सरकारी विभाग जैसे लोहिया स्वच्छ भारत अभियान, जीविका, एकीकृत बाल विकास योजना समाज कल्याण विभाग, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, राज्य स्वास्थ्य सोसायटी, पंचायती राज संस्थान, जल सहायता विभाग, मदरसा बोर्ड के कई प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सत्र की शुरुआत गणमान्य अतिथियों द्वारा औपचारिक दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ हुई, जिसके बाद सीआईएमपी निदेशक प्रो राणा सिंह द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। प्रो. राणा सिंह ने स्वागत भाषण के दौरान कार्यशाला में भाग लेने के लिए सभी मेहमानों, वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया और कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, जो की बिहार राज्य में हाथ की स्वच्छता प्रथाओं की स्थिति के बारे में संवेदनशील बनाना के साथ साथ विभिन्न हितधारकों से प्राप्त इनपुट के आधार पर कार्य योजना बनाना भी था। कार्यक्रम के समापन के दौरान अतिथि सह वक्ताओं को स्मृति चिन्ह भेंट दिए गए।

Aaj ! Page No - 08 ! Date - 20-10-2022 !